Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

Pre Board Examination – 2023-2024

Class- X

HINDI

Maximum Marks: 80

Time allowed : Three hours

Answer to this Paper must be written on the paper provided separately.

*You will **not** be allowed to write during the first **15** minutes .*

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

Section A is compulsory –***All*** *questions in* ***Section A*** *must be answered .*

*Attempt any **four** questions from **Section B** answering at least **one** question each from the **two** books You have studied and **any two** questions from the same books you have studied.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets[ ]

SECTION A (40 Marks)

Attempt all questions

Question-1

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :– (15)

(i) आज महानगरीय जीवन में सामाजिकता, पारिवारिकता, मैत्री, भाईचारा आदि भावनाएँ समाप्त होती जा रही है। महानगरीय जीवन ने किस प्रकार हमारे जीवन को बदल दिया है। इस विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ii) हर व्यक्ति अपने लिए कोई न कोई व्यवसाय चुनना चाहता है। आप अपने लिए कौन सा व्यवसाय चुनना पसन्द करेगें ? उसकी प्राप्ति के लिए आप क्या–क्या प्रयास करेगें और उससे देश और समाज को क्या लाभ होगा ?

(iii) "वन है तो भविष्य है" आज हम उसी भविष्य को नष्ट कर रहे हैं, कैसे ? कथन को स्पष्ट करते हुए जीवन में वनों के महत्व पर अपने विचार लिखिए।

(iv) एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित हो:–
" बिना विचारे जो करे, सो पाछे पछताए "।

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए **अथवा** कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

Question-2

निम्नलिखित में से कोई एक पत्र हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में लिखिए :– (7)

(i) छुट्टी के समय विद्यालय गेट के आस–पास ठेले और रेहड़ी वालों द्वारा 'जंक फूड' बेचे जाने की शिकायत करते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर उन्हें रोकने का अनुरोध कीजिए।

(ii) अपने बड़े भाई को पत्र लिखकर उनकी पदोन्नति पर बधाई दीजिए।

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

Question-3

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासम्भव आपके शब्दों में होने चाहिए :–

काशी नरेश ने कोसल पर आक्रमण कर दिया था। कोसल के राजा की चारों ओर फैली कीर्ति उनके लिए असहनीय हो गई थी। युद्ध में उनकी विजय हुई। पराजित नरेश वन में भाग गए थे, किंतु प्रजा उनके वियोग में व्याकुल थी और विजयी नरेश को अपना सहयोग नहीं दे रही थी। विजय के गर्व से मत्त काशी नरेश प्रजा के असहयोग से क्रुद्ध हुए। शत्रु को सर्वथा समाप्त करने के लिए उन्होनें घोषणा करा दी– 'जो कोसल राज को ढूँढ़ लाएगा, उसे सौ स्वर्ण–मुद्राएँ पुरस्कार में मिलेंगी।'

इस घोषणा का कोई प्रभाव नहीं हुआ। धन के लोभ में अपने धार्मिक राजा को शत्रु के हाथ में देने वाला अधम वहाँ कोई नहीं था।

कोसलराज वन में भटकते हुए घूमने लगे। जटाएँ बढ़ गई, शरीर क्षीण हो गया। वे एक वनवासी के समान दिखने लगे। एक दिन उन्हें देखकर एक पथिक ने पूछा–'यह वन कितना बड़ा है? वन से निकलने तथा कोसल पहुँचने का मार्ग कौन सा है ?'

नरेश चौंके! उन्होंने पूछा–'आप कोसल क्यों जा रहे हैं?'

पथिक ने कहा–"विपत्ति में पड़ा व्यापारी हूँ। माल से लदी नौका नदी में डूब चुकी है। अब द्वार–द्वार कहीं भिक्षा माँगता एवं भटकता डोलूँ। सुना है कि कोसल के राजा बहुत उदार हैं, अतः उनके पास जा रहा हूँ।"

"तुम दूर से आए हो, वन का मार्ग बीहड़ है। चलो, तुम्हें वहाँ तक पहुँचा आऊँ" कुछ देर सोचकर राजा ने पथिक से कहा।

पथिक के साथ वे काशी नरेश की सभा में आए। अब उन जटाधारी को कोई पहचानता न था। काशी नरेश ने पूछा–"आप दोनों कैसे पधारे ?" तब उस महात्मा ने कहा–"मैं कोसल का राजा हूँ। मुझे पकड़ने के लिए तुमने पुरस्कार घोषित किया है। अब पुरस्कार की वे सौ–स्वर्ण मुद्राएँ इस पथिक को दे दो।"

सभा में सन्नाटा छा गया। सब बातें सुनकर काशी नरेश अपने सिंहासन से उठे और बोले–" महाराज! आप जैसे धर्मात्मा परोपकार–निष्ठ को पराजित करने की अपेक्षा उसका चरणाश्रित होने का गौरव कहीं अधिक है। यह सिंहासन अब आपका है। मुझे अपना अनुचर स्वीकार करने की कृपा कीजिए।"

व्यापारी को मुँह माँगा धन प्राप्त हुआ। कोसल और काशी उस दिन से मित्र राज्य बन गए।

मानव जीवन की सार्थकता परहित के लिए बलिदान करने की भावना में निहित है। मनुष्य के चरित्र की परीक्षा उसके परोपकारी कामों के आधार पर होती है, न कि व्यक्तिगत वैभवअर्जन पर। जो मनुष्य सबको दुख दूर करने में जितना प्रयत्नशील होता है, वह उतना ही सभ्य, सुसंस्कृत एवं उच्च विचारों वाला माना जाता है, क्योंकि परोपकार का विशद भाव ही मानव की अतंरात्मा की, महानता की कसौटी है।

(i) कोसल पर आक्रमण किसने और क्यों किया था ? (2)

(ii) काशी नरेश ने क्या घोषणा की थी और क्यों कराई थी ? (2)

(iii) पथिक ने कोसलराज से क्या कहा था ? उसके कथन को सुनकर कोसलराज ने क्या निर्णय लिया ? (2)

(iv) कोसलराज को सभा में कोई क्यों न पहचान पाया था? सभा में सन्नाटा क्यों छा गया था ? (2)

(v) प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिलती है ? (2)

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

Question-4

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :–

(i) 'उपकार' का विलोम लिखिए – (1)

(a) अपकार
(b) परोपकार
(c) विकार
(d) सरोकार

(ii) 'राजा' का पर्यायवाची लिखिए – (1)

(a) रमापति–रत्नाकर
(b) प्रजापति–भूपति
(c) लंकापति–पशुपति
(d) अराति–विधाता

(iii) 'राष्ट्र' की भाववाचक संज्ञा लिखिए– (1)

(a) राष्ट्रीय
(b) सौराष्ट्र
(c) राष्ट्रीयता
(d) राष्ट्रपति

(iv) 'कर्म' का विशेषण लिखिए– (1)

(a) कार्य
(b) किया
(c) कर्मयोग
(d) कर्मठ

(v) 'कवियित्री' का शुद्ध रूप लिखिए– (1)

(a) कवीयत्री
(b) कवयीत्री
(c) कवयित्री
(d) कवयत्री

(vi) 'आँख खुलना' मुहावरे का अर्थ लिखिए– (1)

(a) नींद से जागना
(b) नींद न आना
(c) वास्तविकता का ज्ञान होना
(d) आँखों में पीड़ा

(vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य लिखिए– (1)
मजदूर बहुत भूखे थे। (वाक्य में 'भूख' का प्रयोग कीजिए)

(a) मज़दूरों में बहुत भूख थी।
(b) भूख थी बहुत मज़दूरों में।
(c) मज़दूरों को बहुत भूख लगी थी।
(d) भूख लगी थी मज़दूरों को बहुत।

(viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य लिखिए– (1)
यह पत्रिका हर <u>तीन माह बाद निकलती है</u>। (रेखांकित वाक्यांश हेतु एक शब्द)

(a) यह पत्रिका दैनिक है।
(b) यह पत्रिका त्रैमासिक है।
(c) यह पत्रिका मासिक है।
(d) यह पत्रिका वार्षिक है।

SECTION B

(Attempt four questions from this Section.)

(You must answer at least one questions from each of the two books you have studied any two other questions.)

साहित्य सागर– पद्य भाग

Question-5

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

खीजत जात माखन खात।
अरूण लोचन, भौंह टेढ़ी, बार–बार जम्हात।।
कबहुँ रूनझुन चलत घुटुरन, धूर–धूसर गात।
कबहुँ झुक कें अलक खेंचत, नैन जल भर लात।।
कबहुँ तुतरेबोल बोलत, कबहुँ बोलत तात।
सूर' हरि की निरखि सोभा, निमिख तजत न मात।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम तीन पंक्तियों के आधार पर श्रीकृष्ण की बाल–लीला का वर्णन कीजिए। (2)

(ii) किसके नैन जल से भर जाते हैं और क्यों ? स्पष्ट कीजिए। (2)

(iii) 'निमिख तजत न मात' से कवि का क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए। (3)

(iv) अर्थ लिखिए – (3)

अरूण, लोचन, गात, अलक, निरखि, निमिख ।

Question-6

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इस विशद विश्व–प्रवाह में,
किसको नहीं बहना पड़ा।
सुख–दुख हमारी ही तरह,
किसको नहीं सहना पड़ा।
फिर व्यर्थ क्यों कहता फिरूँ
मुझ पर विधाता वाम है।
चलना हमारा काम है।

(i) 'इस विशद विश्व प्रवाह में किसको नहीं बहना पड़ा,' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। (2)

(ii) 'विधाता वाम है' से क्या तात्पर्य है ? किस प्रकार के लोग ऐसा कहते है। (2)

(iii) प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते है ? (3)

(iv) कवि का संक्षिप्त परिचय लिखें। (3)

Question-7

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उसे भूल वह फँसा परस्पर ही शंका में भय में,
लगा हुआ केवल अपने में और भोग संचय में।

(i) 'उसे भूल' से क्या तात्पर्य है ? कौन, किसे भूल गया है और क्यों ? (2)

(ii) कवि के अनुसार आज मनुष्य किस प्रकार का जीवन व्यतीत कर रहा है ? (2)

(iii) बताइए कि आपके विचार से जीवन में सच्चा सुख किस प्रकार मिल सकता है । (3)

(iv) कवि का जीवन परिचय संक्षेप में लिखिए। (3)

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

Question-8

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

" जानता हूँ, युधिष्ठिर! भलीभाँति जानता हूँ। किन्तु सोच लो, मैं थककर चूर हो गया हूँ, मेरी सभी सेना तितर–बितर हो गई है, मेरा कवच फट गया है, मेरे शस्त्रास्त्र चुक गए हैं। मुझे समय दो युधिष्ठिर! क्या भूल गए मैंने तुम्हें तेरह वर्ष का समय दिया था?"

(i) वक्ता कौन है ? वह क्या जानता है ?स्पष्ट कीजिए। (2)

(ii) वक्ता की मनोदशा इस समय कैसी हो रही है और क्यों ? (2)

(iii) 'तेरह वर्ष का समय' किसे दिया गया था और क्यों ? (3)

(iv) 'तेरह वर्ष का समय' जो कि वक्ता ने दिया था, उसके पीछे उसका क्या उद्देश्य था ? (3)

Question-9

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

" उस बेचारी ने कहा भी कि मैं दस–पाँच दिन में सब कुछ सीख जाऊँगी। भला कै दिन हुए हैं मुझे आपका काम करते ? किन्तु बहुरानी न मानी। झाड़न उन्होंने उसके हाथ से छीन लिया और कहा कि हट तू, मैं सब कुछ कर लूँगी।"

(i) 'उस बेचारी' शब्दों का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? स्पष्ट कीजिए। (2)

(ii) वक्ता कौन है ? उसका परिचय दें। (2)

(iii) बहूरानी कौन है ? उसने अपनी नाराज़गी किस पर व्यक्त की ? (3)

(iv) छोटी बहू को परिवार में रहते हुए किस प्रकार का अनुभव हो रहा था और क्यों ? (3)

Question-10

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

" मैं जानता था, तुम वहाँ नहीं जा सकोगी और जाने से भी क्या होता है। जब तक तुम उस नीची श्रेणी की विजातीय भाभी को घर नहीं ला सकतीं, तब तक प्रेम और ममता की दुहाई व्यर्थ है।——"

(i) 'वक्ता' का परिचय दीजिए। वह किससे और किस सम्बन्ध में बात कर रहा है ? (2)

(ii) 'भाभी' कौन है ? उसे घर में नहीं लाने का क्या कारण है ? (2)

(iii) वक्ता ने श्रोता पर क्या आरोप लगाए ? (3)

(iv) एकांकी के आधार पर श्रोता का चरित्र–चित्रण कीजिए। (3)

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

साहित्य सागर–संक्षिप्त कहानियाँ

Question-11

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

विश्वेश्वर हतबुद्धि होकर वहीं खड़े रह गए।

(i) विश्वेश्वर **कौन हैं** ? उनका संक्षिप्त परिचय दीजिए। (2)
(ii) विश्वेश्वर ने श्यामू को क्या दण्ड दिया और क्यों ? (2)
(iii) क्या आपकी दृष्टि में श्यामू अपराधी था ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। (3)
(iv) इस अवतरण के आधार पर विश्वेश्वर की मनोदशा पर प्रकाश डालिए। (3)

Question-12

चुपचाप बैठे तंग हो रहा था,कुढ़ रहा था कि मित्र अचानक बोले–" देखो, वह क्या है ?

(i) लेखक और उनके मित्र कहाँ बैठे थे ? (2)
(ii) लेखक चुपचाप क्यों बैठे थे ? समझाकर लिखिए। (2)
(iii) अचानक मित्र ने लेखक को क्या दिखाया ? (3)
(iv) कहानी का उद्देश्य अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। (3)

Question-13

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मजाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए।

(i) हालदार साहब को क्या अच्छा नहीं लगा था और क्यों ? (2)
(ii) कैप्टन के व्यक्तित्व का वर्णन कीजिए। (2)
(iii) हालदार साहब को कैप्टन एक देशभक्त क्यों लगा ? (3)
(iv) कहानी का मुख्य उद्देश्य लिखिए। ? (3)

नया रास्ता

Question-14

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

" दूसरे दिन प्रातः होते ही दयाराम जी के घर मेहमाननों के स्वागतके लिए विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ प्रारम्भ हो गई थी ।"

(i) दयारामजी के यहाँ मेहमान कहाँ से और क्यों आ रहे हैं ? ? (2)
(ii) मेहमानों के स्वागत के लिए कैसी तैयारियाँ की गई है ? (2)
(iii) तैयारियाँ पूरी हो जाने के पश्चात घर के सभी सदस्यों की मनःस्थिति कैसी है ? (3)
(iv) मेरठ से मीनू को देखने के लिए कौन–कौन आया ? दयाराम जी ने उनका स्वागत किस प्रकार से किया ? (3)

Question-15

" मम्मी, मैनें ऐसा तो नहीं कहा कि मैं शादी नहीं करूगाँ, परन्तु अभी यह विचार छोड़ दिया है।"

(i) अमित ने अभी शादी का विचार क्यों छोड़ दिया है। स्पष्ट कीजिए। (2)

(ii) माँ ने अमित से शादी कर लेने की आवश्यकता बताते हुए क्या तर्क किया ? (2)

(iii) अमित ने माँ के इस तर्क का क्या उत्तर दिया ? (3)

(iv) माँ, अमित के किस व्यवहार से विस्मित–सी खड़ी रह गयीं ? (3)

Question-16

" यही राजो ही तो इस समय उसका एक मात्र सहारा है। यदि राजो न होती तो क्या वह अकेली यहाँ रह सकती थी ?"

(i) राजो कौन है ? मीनू उसे एकमात्र सहारा क्यों मानती है ? (2)

(ii) मीनू को राजो की किस बात पर अपनेपन का एहसास हुआ ? (2)

(iii) खाना खाने के बाद राजो ने क्या किया ? मीनू अपने बिस्तर पर लेटने कब गई ? (3)

(iv) आज मीनू की आँखों से नींद क्यों उड़ गयी थी ? समझाकर लिखिए। (3)

****

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE